Delhi Public School, Damanjodi

Syllabus Hindi-9 (2nd Language)(कोड सं. 085) **Session: 2024-2025**

Sl. No.	Examinations:	Pre-mid Term	Mid Term	Post-mid Term	Annual
	खंड - क (अपठित बोध) (7+7=14 अंक)				
1	दो अपठित गद्यांश (लगभग 200 शब्दों के) - (3+4) + (3+4) =14 एक अंक के तीन बहुविकल्पी प्रश्न (1x3=3), अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न (2x2=4)		√		√
	खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण) (1x16=16 अंक)				
2	अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न, कुल 20 प्रश्नों में से 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।				
	i) शब्द और पद (2 अंक) (3 में से 2 प्रश्न)	√	√		√
	ii) अनुस्वार (1 अंक), अनुनासिक (1 अंक) (3 में से 2 प्रश्न)	√	√		√
	iii) उपसर्ग (2 अंक), प्रत्यय (2 अंक) (5 में से 4 प्रश्न)	√	√		√
	iv) स्वर संधि (3 अंक) (4 में से 3 प्रश्न)		√	√	√
	v) विराम चिह्न (2 अंक) (3 में से 2 प्रश्न)		√	√	√
	vi) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद (3 अंक) (4 में से 3 प्रश्न)		√	√	√
	खंड - ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक) (11+11+8=30 अंक)				
3	**अ.** स्पर्श (भाग-1) के पठित गद्यांश के आधार पर 1 अंकीय 5 बहुविकल्पीय प्रश्न (1x5=5) निर्धारित गद्य पाठों में से 3 प्रश्न (25-30 शब्द सीमा) (4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3=6)				
	1. यशपाल - दुःख का अधिकार	√	√		√
	2. बचेंद्री पाल - एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा	√	√		√
	3. शरद जोशी - तुम कब जाओगे, अतिथि		√	√	√
	4. धीरंजन मालवे - वैज्ञानिक चेतना के वाहक चंद्रशेखर वेंकट रामन्			√	√
	5. स्वामी आनंद - शुक्रतारे के समान				√
	ब. स्पर्श (भाग-1) के पठित पद्यांश के आधार पर 1 अंकीय 5 बहुविकल्पीय प्रश्न (1x5=5) निर्धारित पद्य पाठों में से 3 प्रश्न (25-30 शब्द सीमा) (4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3=6)				
	6. रैदास - पद	√	√		√
	7. रहीम - दोहे	√	√		√
	8. रामधारी सिंह 'दिनकर' - गीत-अगीत		√	√	√
	9. हरिवंशराय 'बच्चन' - अग्निपथ			√	√
	10. अरुण कमल - 1. नए इलाके में, 2. खुशबू रचते हैं हाथ				√
	स. संचयन (भाग-1) से निर्धारित पाठों पर आधारित 2 प्रश्न पूछे जाएँगे (50-60 शब्द सीमा)। (3 में से 2 प्रश्न करने होंगे)(4x2=8)				
	1. महादेवी वर्मा - गिल्लू		√		√
	2. श्रीराम शर्मा - स्मृति		√		√
	3. के. विक्रम सिंह - कल्लू कुम्हार की उनाकोटी				√
	4. डॉ. धर्मवीर भारती - मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय				√
	खंड - घ (रचनात्मक लेखन) (5+5+5+5=20 अंक)				
4	लेखन				
	क) संकेत-बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन (5x1=5)	√	√		√
	ख) अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित अनौपचारिक विषयों में लगभग 100 शब्दों में किसी एक विषय पर पत्र। (5x1=5)		√	√	√
	ग) किसी दृश्य या घटना के चित्र पर आधारित लेखन (लगभग 100 शब्दों में) (बिना किसी विकल्प के) (5x1=5)		√	√	√
	घ) भाव एवं दृश्य संकेतों के आधार पर संवाद लेखन (लगभग 100 शब्दों में) (विकल्प सहित) (5x1=5)	√	√		√
5	**आंतरिक मूल्यांकन (20 अंक)** सामयिक आकलन, बहुविध आकलन, पोर्टफोलियो, श्रवण एवं वाचन	√	√	√	√

LEARNING OUTCOMES **(अधिगम प्रतिफल)**

सामान्य प्रतिफल -

1. पाठों के अध्ययन से विद्यार्थियों के पठन/वाचन कौशल का विकास होगा।
2. पाठों के अभ्यास कार्यों से लेखन कौशल का विकास होगा।
3. विषयों की चर्चा-परिचर्चा से बोलने तथा सुनने के कौशल का विकास होगा।
4. विचारों और अनुभवों की अभिव्यक्ति के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।
5. विद्यार्थी विभिन्न पाठों के रचनाकारों से परिचित होंगे।

1. **दुख का अधिकार** - समाज के निम्न व उच्च वर्ग के चरित्र से परिचित होंगे। समाज में फैले सामाजिक कुसंस्कार व अंधविश्वास से अवगत कराना। समाज के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास कराना।

2. **एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा** - साहसिक कार्यों को संपादित करने की सकारात्मक उत्सुकता जागृत होगी। लैंगिक समानता का भाव उत्पन्न होगा। टीम-भावना की महत्ता से परिचित होंगे। 'हिमालय' तथा 'एवरेस्ट' के भौगोलिक परिदृश्य से अवगत होंगे।

3. **तुम कब जाओगे, अतिथि** - 'अतिथि' के आक्षरिक अर्थ और भावार्थ से परिचित होंगे। लेखक की सांकेतिक भाषा-शैली से अवगत होंगे। 'व्यंग्य' क्या है, समझने में पहले से अधिक सक्षम होंगे। "आज के आधुनिक युग में किसी के घर बिना पूर्व सूचना के नहीं जाना चाहिए, यदि आपातकालीन परिस्थितियों में ऐसा करना भी हो, तो जितनी जल्दी हो सके वापस लौट जाना चाहिए" - इससे विद्यार्थी परिचित होंगे। आधुनिक जीवन शैली ने मानव जीवन के कई पक्षों को प्रभावित किया है जैसे - अर्थ की प्रधानता, समय की कमी, धैर्य की कमी - इनसे परिचित हो सकेंगे।

4. **वैज्ञानिक चेतना के वाहक चंद्रशेखर वेंकट रामन्** - अपने प्राकृतिक परिवेश को अवलोकन करने की नई एवं वैज्ञानिक दृष्टि को जागृत कराना। रामन् के व्यक्तित्व से परिचित कराना। राष्ट्रीयता और नैतिकता के महत्त्व से परिचित कराना।

5. **शुक्रतारे के समान** - महादेव भाई के व्यक्तित्व से परिचित होंगे और उनसे प्रेरणा प्राप्त करने में सक्षम होंगे। जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना करना सीखेंगे। शुक्रतारे की खूबियों से अवगत होंगे।

6. **रैदास के पद** - निर्गुण भक्ति के ज्ञान मार्ग की धारा से परिचित होंगे। पदों की प्रासंगिकता समझते हुए सामाजिक बुराइयों को दूर करने की प्रवृत्ति जागेगी। पूर्वी जनपद की भाषा और अन्य क्षेत्रीय शब्दों से परिचित होंगे।

7. **रहीम के दोहे** - 'दोहा' छंद से परिचित होंगे। 'संत कवि' से परिचित होंगे। नीतिपरक बातों से अवगत होंगे।

8. **गीत-अगीत** - प्राकृतिक सौंदर्य से अवगत होंगे। गीत और अगीत के अंतर जानेंगे। स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास होगा।

9. **अग्नि पथ** - अग्निपथ के प्रतीकार्थक से परिचित होंगे। अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ होकर निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रक्रिया में ही उत्तरोत्तर उन्नति है - इससे परिचित होंगे।

10. **नए इलाके में** - लोगों में बढ़ रही नगरोन्मुख प्रवृत्ति से परिचित कराना। कम समय में हो रहे बहुत अधिक बदलाव के चलते हो रही कठिनाइयों से अवगत कराना।

खुशबू रचते हैं हाथ - मजदूरों के जीवन की कठिनाइयों से परिचित कराना। समाज में जीवन के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास कराना।

1. **गिल्लू** - पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम व सहानुभूति की भावना का विकास। जीव-जंतुओं के चरित्र को समझने व महसूस करने में समर्थ होंगे।

2. **स्मृति** - कठिन व प्रतिकूल परिस्थितियों से भी न घबराने और उनका हिम्मत से सामना करने की सीख।

3. **कल्लू कुम्हार की उनाकोटी** - त्रिपुरा राज्य से परिचित। उनाकोटी की भौगोलिक स्थिति और प्रचलित दंतकथा से परिचित। बहुधार्मिक क्षेत्र बनने के कारण और परिणाम से अवगत होंगे।

4. **मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय** - आज के डिजिटल के दौर में भी पुस्तक के महत्त्व से परिचित कराना। पुस्तकें पढ़ने के शौक को बढ़ाने के फायदे से अवगत कराना।